राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 04 | मुंबई : बुधवार 26 नवंबर 2025 से 02 दिसम्बर 2025 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर चार वाहनों की टक्कर

1 की मौत, 2 घायल

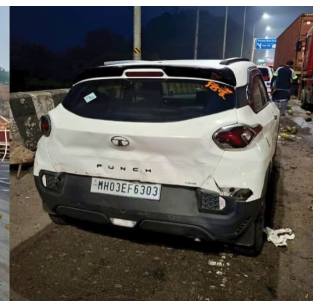

दूरदर्शी लोकतंत्र अजहर शेख

नवी मुंबई : मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सोमवार तड़के चार वाहनों की टक्कर में एक कंटेनर चालक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना उच्च जोखिम वाले बोरघाट मार्ग पर एक और गंभीर दुर्घटना है। पुलिस ने बताया कि रियाज अहमद (36) द्वारा चलाया जा रहा तेज रफ़्तार कंटेनर नई अडोशी सुरंग के पास एक पिकअप वैन से टकरा गया, जिससे एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया हुई जिसमें पिकअप आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गया और ट्रक आगे एक टाटा पंच कार से टकरा गया। सभी वाहनों को भारी नुकसान पहुँचा।

अहमद कुचले हुए केबिन के अंदर फँसा हुआ पाया गया और जब बचावकर्मियों ने उसे बाहर निकाला तो उसे मृत घोषित कर दिया गया। पिकअप चालक और एक यात्री घायल हो गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया। बोरघाट राजमार्ग पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''इस समय दृश्यता आमतौर पर साफ होती है, इसलिए हम जांच कर रहे हैं कि क्या तेज गति या अचानक यांत्रिक खराबी के कारण चालक ने नियंत्रण खो दिया।'' बोरघाट हाईवे पुलिस, हेल्प फाउंडेशन, आईआरबी, खोपोली पुलिस, देवदत बचाव इकाई, डेल्टा फोर्स और महाराष्ट्र सुरक्षा बल की टीमें मौके पर पहुँचीं और बचाव अभियान चलाया। खोपोली पुलिस ने अहमद के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया है और आगे की जाँच जारी है।

मनपा ने कचरा निपटान के लिए कचरा संग्रह और परिवहन के लिए

4165 करोड़ का टेंडर जारी...

मुंबई : मुंबई मनपा ने कचरा निपटान के लिए जारी किए गए 4165 करोड़ रुपये के टेंडर के मामले में बोली दाताओं के रूख को देखते हुए यूटर्न ले लिया है। मनपा प्रशासन ने तय किया है कि इस टेंडर पर फिर से विचार किया जा सकता है। मनपा के घनकचरा विभाग ने कुछ दिनों पहले कचरा संग्रह और परिवहन के लिए 4165 करोड़ का टेंडर जारी किया था। हालांकि बोलीदाता टेंडर की रकम में 40 से 64 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग कर रहें है। उनका कहना है कि इस राशि में यह काम करना मुश्किल साबित होगा। इस संबंध में मनपा मुख्यालय में सोमवार को एक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें घनकचरा विभाग के अधिकारी और बोलीदाता शामिल थे। घनकचरा विभाग के उपायुक्त किरण दिघावकर के अनुसार बोलीदाता जितनी राशि की मांग कर रहें हैं, वह मुहैया कराना संभव नहीं है। अब मनपा के पास दो विकल्प हैं। पहला या तो बोलीदाताओं को टेंडर की राशि (4165 करोड़) में ही काम करने को राजी किया जाए या फिर से टेंडर निकाला जा सकता है। इस संबंध में बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी से बातचीत की गई है। स्थिती जल्द साफ हो जाएगी।

टेंडर में 22 वार्डों में कचरा संग्रह और निपटान का कार्य निजी कंपनियों को सौंपना शामिल है। इसमें एल वार्ड (कुर्ला), एम-पूर्व (गोवंडी) और एम -पश्चिम (चेंबूर) वार्ड शामिल नहीं हैं, क्योंकि ये कांजूरमार्ग और देवनार डंपिंग ग्राउंड के पास हैं। निजी कंपनियों को उच्च क्षमता वाले, रंग-कोडित वाहनों का उपयोग करना था, जिनमें से 10%-15% वाहन इलेक्ट्रिक होना अनिवार्य था। मुंबई मनपा दिसंबर तक इस टेंडर को अंतिम रूप देना चाहती है।

ठाणे : 24 घंटे पानी की सप्लाई बंद करने की घोषणा

ठाणे : ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पूरे शहर में 24 घंटे पानी की सप्लाई बंद करने की घोषणा की है। इंदिरानगर वॉटर टैंक और उससे जुड़े आस-पास के इलाकों में पानी की पाइपलाइन का काम पूरा करने के लिए यह बंद करने की घोषणा की गई है। अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पहले ट्विटर) पर बताया गया है कि बुधवार, 26/11/2025 को सुबह 9 बजे से गुरुवार, 27/11/2025 को सुबह 9 बजे तक 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद रहेगी।

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशे ने कहा, 'हाल ही में, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की वागले वार्ड कमेटी और लोकमान्य सावरकर नगर वार्ड कमेटी के तहत इंदिरानगर संपा में पानी की सप्लाई के लिए 1168' डायमीटर की पानी की पाइप बिछाई गई है।

बीएमसी प्रशासन ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर लग रहे आरोपों को किया खारिज...

मुंबई : बीएमसी के आम चुनाव के लिए तैयार की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर लग रहे आरोपों को बीएमसी प्रशासन ने खारिज किया है। मनपा प्रशासन ने सफाई दी है कि तारीख के आधार पर लगाए जा रहे सारे आरोप बेबुनियाद हैं। बीएमसी प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से जारी शेड्यूल के मुताबिक ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 14 नवंबर 2025 को पब्लिश होने की उम्मीद थी। इसके मुताबिक आयोग से बीएमसी प्रशासन को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट मिली। इस बारे में आयोग की ओर से एक बदला हुआ शेड्यूल जारी किया गया, जिसके तहत बीएमसी प्रशासन को 20 नवंबर 2025 को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पब्लिश करने का ऑर्डर मिला। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की पब्लिश हुई कॉपियों पर 14 नवंबर 2025 की तारीख लिखी हुई थी।

पकड़ा गया अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर पवन ठाकुर

जल्द भारत डिपोर्ट किया जाएगा : सूत्र

मुंबई : दुबई में अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर पवन ठाकुर को पकड़ लिया गया है। सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक, उसे जल्द ही भारत डिपोर्ट किया जाएगा। पवन ठाकुर दिल्ली में हाल ही में पकड़े गए बड़े ड्रग मामलों का मास्टरमाइंड है।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी कि एनसीबी ने दो दिन पहले दिल्ली में 262 करोड़ रुपये कीमत का मेथ ड्रग्स पकड़ा था, जिसमें पवन ठाकुर मुख्य आरोपी है। एनसीबी की इस बड़ी कार्रवाई

में एक अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक ड्रग सिंडिकेट का पदार्फाश हुआ है। बता दें कि पिछले साल नवंबर में दिल्ली में बरामद हुई 2500 करोड़ रुपये की कोकीन के मामले में भी पवन ठाकुर मास्टरमाइंड है। एनसीबी ने ये ड्रग्स बरामद की थी और तब इंटरपोल के जरिए पहला सिल्वर नोटिस जारी किया गया था।

यह सिल्वर नोटिस पवन ठाकुर के खिलाफ निकाला गया था। ईडी ने भी पवन ठाकुर के ठिकानों पर छापेमारी की थी और उसके 118 बैंक अकाउंट फ्रीज कर दिए थे। बता दें कि एनसीआर और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने छतरपुर स्थित एक घर से 328 किलोग्राम मेथामफेटामाइन बरामद करते हुए इस प्रतिबंधित पदार्थ की तस्करी में शामिल अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

मुंबई : देवी प्रतिमा को दे दी मदर मैरी की शक्ल, आरोपी पुजारी गिरफ्तार

मुंबई : भगवान का मंदिर हिंदुओं की आस्था का प्रतीक होता है. देशभर में ऐसे कई मंदिर हैं जहां पर भारी संख्या में भक्त मत्था टेकने पहुंचते हैं. हालांकि कभी-कभी मंदिरों पर कुछ अराजकत्वों के द्वारा ऐसा कृत्य किया जाता है जिससे हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचती है. ऐसा ही एक मामला मुंबई के चेंबूर में श्मशान भूमि में मौजूद काली माता मंदिर से सामने आया है. यहां पर माता की मूर्ती पर मदर मेरी के वस्त्र पहनाने को लेकर बवाल हो गया है जिससे तनाव बढ़ गया है. चेंबूर इलाके में हुए इस विवाद ने स्थानीय हिंदू समुदाय की भावनाओं को न ही आहत किया बल्कि तनाव बढ़ा दिया है. मामले की जांच करते हुए पुलिस ने मंदिर के पुजारी रमेश को गिरफ्तार कर लिया है, पुजारी रमेश का दावा है कि उन्होंने यह कदम देवी काली के एक सपने को देखते हुए उठाया था, जिसमें देवी ने उनसे मदर मेरी के रूप में पूजा करने को कहा था.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

एसआईआर विरोधी स्वर...

यह अच्छा हुआ कि चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया में शामिल बूथ स्तर के अधिकारियों अर्थात बीएलओ की आत्महत्याओं की खबरों का संज्ञान लिया और संबंधित राज्यों से रिपोर्ट मांगी। राज्य निर्वाचन अधिकारियों को सबसे पहले तो इन खबरों की तह तक जाना होगा, ताकि पता लग सके कि उन्होंने काम के दबाव में आकर अपनी जान दी या फिर वे स्वाभाविक मृत्यु का शिकार बने। यह स्पष्टता हासिल करना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि कई विपक्षी नेता और विशेष रूप से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यह माहौल बना रही हैं कि एसआइआर के चलते बड़ी संख्या में बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। कुछ विपक्षी नेता इसी बहाने एसआइआर को अनावश्यक बताते हुए उसे वोट चोरी की संज्ञा दे रहे हैं। चुनाव आयोग को एसआइआर को लेकर बनाए जा रहे इस नकारात्मक अभियान से सतर्क रहना होगा। यह ठीक नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का भी उल्लेख करें और एसआइआर के खिलाफ भी खड़े होना पसंद करें।

यह सही है कि एसआइआर अपेक्षाकृत एक श्रमसाध्य प्रक्रिया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसे कराया ही न जाए। इस प्रक्रिया में सबसे महती भूमिका बीएलओ की होती है। उन्हें घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करना होता है। यह देखने में आया है कि बीएलओ बनने वाले कई कर्मचारी इस काम को एक बोझ की तरह लेते हैं। उनकी पहली कोशिश बीएलओ बनने से बचने की होती है। यह ठीक नहीं। यह तो कुछ वैसे ही है, जैसे सैनिक मोर्चे पर जाने से मना करें। यदि हर कोई एसआइआर करने से बचना चाहेगा तो फिर एक जरूरी काम होगा कैसे ? सही ढंग से चुनाव तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूचियां दुरुस्त हों और इसके लिए एसआइआर किया जाना आवश्यक है। अब जब चुनाव आयोग बीएलओ की समस्याओं से परिचित होने के लिए आगे आया है, तब फिर उसे यह खास तौर से देखना होगा कि उनकी परेशानी का कारण प्रशिक्षण का अभाव या फिर किसी तरह की तकनीकी समस्या आड़े आना तो नहीं ? बंगाल में एक बीएलओ की आत्महत्या के मामले में यह सामने आया कि उसने आवश्यक जानकारी तो जुटा ली थी, लेकिन स्पष्ट निर्देशों के अभाव में उसे अपलोड नहीं किया था। चुनाव आयोग को यह देखना होगा कि बीएलओ की छोटी-बड़ी सभी समस्याओं का समाधान हो और वे सही निर्देशों के अभाव या तकनीकी बाधा के चलते तनाव का शिकार न होने पाएं।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : बीएमसी चुनाव में 40% टिकट 35 साल से कम उम्र के युवाओं को दिए जाएंगे - देवेंद्र फडणवीस

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शहर के अंडरग्राउंड टनल नेटवर्क पर बात करते हुए कहा कि इससे अगले कुछ सालों में मुंबई में भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने नए ग्रीन स्पेस बनाने के बारे में भी बात की और पॉलिटिकल मोर्चे पर, घोषणा की कि बीएमसी चुनाव में 40% टिकट 35 साल से कम उम्र के युवाओं को दिए जाएंगे। महाराष्ट्र के पॉलिटिकल हालात पर कमेंट करते हुए, फडणवीस ने कहा कि इखढ शिवसेना को वापस अपने साथ लाने के लिए उनसे बात कर रही है।फडणवीस सोमवार को वर्ली डोम में इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस द्वारा आयोजित एक कॉन्फ्रेंस में हिस्सा ले रहे थे। टनल के पैरेलल नेटवर्क के बारे में डिटेल में बताते हुए, उन्होंने कहा कि लायन गेट-चौपाटी टनल तीन साल में पूरी हो जाएगी, जबकि बांद्रा सी लिंक-बीकेसी और बीकेसी-डोमेस्टिक एयरपोर्ट वाली टनल की प्लानिंग की जा रही है।

उन्होंने कहा, ''ये सभी प्रोजेक्ट साउथ मुंबई के लोगों को 15 मिनट में एयरपोर्ट पहुंचने में मदद करेंगे।'' उट ने अपने बड़े प्लान के बारे में बताया– हर साल 50 ' मेट्रो चालू करना, बिना किराया बढ़ाए सभी लोकल ट्रेनों को अउ में बदलना, और नवी मुंबई एयरपोर्ट से गेटवे ऑफ इंडिया तक वॉटर टैक्सी शुरू करना। उन्होंने कहा, ''यह सब मुंबई और टटफ के लिए हमारे 360-डिग्री कनेक्टिविटी प्लान का हिस्सा है।'' क्कत्वठ के ऋषभ शाह के दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, ''सभी प्रोजेक्ट लागू होने के अलग-अलग स्टेज में हैं, और कुछ को छोड़कर, सभी 2032 तक पूरे हो जाएंगे।''जब पूछा गया कि क्या चुनावों में युवाओं के लिए कोटा होना चाहिए, तो फडणवीस ने जवाब दिया, ''कोटे के बारे में बोलने के बजाय, मैं यह घोषणा करूंगा कि हमारी पार्टी बीएमसी चुनाव में 35 साल से कम उम्र के युवाओं को 40% टिकट देगी।'' इसके बाद, उन्होंने कहा कि इखढ मुंबई में हर वार्ड में दो Gef Z युवाओं को विकास के कामों की निगरानी के लिए नियुक्त करने की योजना बना रही है, खास तौर पर, ''अलग-अलग विचारधाराओं से और उनकी राजनीतिक संबद्धता को देखे बिना''।

उन्होंने दावा किया, ''हम कंस्ट्रक्टिव आलोचना में विश्वास करते हैं और अलग-अलग विचारधाराओं के लोगों का स्वागत करते हैं।'' ''हम सिर्फ. उन लोगों के खिलाफ हैं जिनकी सोच अराजक है और जो देश के संवैधानिक संस्थानों को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। हमारे लिए युवाओं की सोच जरूरी नहीं है, बल्कि समाज के लिए उनके विचार जरूरी हैं। हमारी 28 परसेंट आबादी 28 साल से कम उम्र की है, और राजनीति में उनकी हिस्सेदारी जरूरी है।''मुंबई के हरे-भरे फेफड़ों की सुरक्षा के लिए सरकार की कोशिशों के बारे में पूछे जाने पर, फडणवीस ने कहा कि सरकार ने वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट जैसे बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए हैं ताकि यह पक्का हो सके कि 2 करोड़ लोगों से निकलने वाला सीवेज बिना पानी के समुद्र में न बहाया जाए। उन्होंने कहा, ''ऐसा पहला प्लांट जल्द ही चालू हो जाएगा।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि BJP शहर में नई खुली जगहें बनाना चाहती है।

मुंबई : चॉल में आग लगने से चार बच्चों समेत छह लोग घायल; बच्चों की हालत स्थिर...

मुंबई : घाटकोपर ईस्ट में एक चॉल में आग लगने से चार बच्चों समेत छह लोग घायल हो गए। डॉक्टरों ने बताया कि बच्चों की हालत स्थिर है, जबकि दो बड़े 15% और 55% जल गए हैं और उनकी हालत गंभीर है। घाटकोपर चॉल में आग से छह लोग घायलमुंबई फायर ब्रिगेड के मुताबिक, पंत नगर में 90 फीट रोड पर साई नगर में एक ग्राउंड-प्लस-वन स्ट्रक्चर में आग लगने की खबर सोमवार दोपहर 12:50 बजे मिली, जिसके बाद MFB और मुंबई पुलिस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें, बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड स्टाफ और एक एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं। दोपहर 1:30 बजे तक आग बुझा दी गई, और सभी छह घायल लोगों को राजावाड़ी हॉस्पिटल ले जाया गया।फायर ब्रिगेड के एक ऑफिसर ने बताया कि आग पहली मंजिल तक ही सीमित थी और इसने 10७10 फीट की जगह में रखे बिजली के तारों, छढत्र सिलेंडर और घरेलू सामान को प्रभावित किया। राजावाड़ी हॉस्पिटल के एक डॉक्टर ने बताया कि चारों बच्चे, प्रतीक कुमार मुखिया, 10, गौरी मुखिया, 10, प्रशांत विश्वकर्मा, 9, और पूजा मुखिया, 6, 2% से 12% तक जल गए हैं और उनकी हालत स्थिर है। दो और बच्चे, दलत देवी मुखिया, 40, और नागेश्वर मुखिया, 45, क्रमशः 15% और 55% तक जल गए। डॉक्टर ने आगे कहा, ''उनकी रिकवरी उनके घावों की गंभीरता पर निर्भर करती है। उनका अभी इलाज चल रहा है।''एक सीनियर फायर ऑफिसर ने कहा कि, पहली नजर में, गैस सिलेंडर फटने से आग लगी लगती है, लेकिन सही कारण की जांच की जा रही है।

मुंबई : एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो-वॉटर क्राफ्ट; पहले की फ्रेंच कॉलोनी के नाम पर रखा गया INS माहे...

मुंबई : इंडियन नेवी ने शहर के नेवल डॉकयार्ड में क्ठर माहे, एक एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो-वॉटर क्राफ्ट को कमीशन किया। इंडियन नेवी ने क्ठर माहे को कमीशन किया, जो माहे-क्लास का पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो-वॉटर क्राफ्ट है। यह आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में इंडिया में नेवल डॉकयार्ड में हुआ। नई जेनरेशन के देसी शैलो-वॉटर कॉम्बैटेंट्स के आने का निशान है। इंडियन नेवी के एक बयान के मुताबिक, यह वेसल कोस्टल डिफेंस की पहली लाइन बनाएगा, जो इंडिया के ऑपरेशन के मैरीटाइम एरिया पर लगातार नजर रखने के लिए बड़े सरफेस कॉम्बैटेंट्स, सबमरीन और एविएशन एसेट्स के साथ आसानी से इंटीग्रेट होगा।

कमीशनिंग सेरेमनी में चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद आर्मी स्टाफ चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ''इंडियन नेवी के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे आठ एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटरक्राफ्ट में से पहले क्ठर माहे की कमीशनिंग सेरेमनी में मौजूद होना बहुत गर्व और सम्मान की बात है।''जनरल द्विवेदी ने आगे कहा कि कमीशनिंग देश के समुद्री युद्ध क्रम में एक ताकतवर नए प्लेटफॉर्म को शामिल करने का प्रतीक है, और ''स्वदेशी टेक्नोलॉजी के साथ मुश्किल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, बनाने और फील्ड करने की हमारे देश की बढ़ती क्षमता'' की पुष्टि करता है।शिपबिल्डर के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, मधु एस नायर के अनुसार, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा डिजाइन और बनाया गया क्ठर माहे 80% से ज्यादा स्वदेशी है। यह अपनी क्लास के आठ जहाजों में सबसे आगे है और पुराने हो रहे अभय-क्लास कोरवेट की जगह लेगा।इसके मुख्य रोल में एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शामिल है, जिसमें सबसरफेस सर्विलांस, सर्च और अटैक मिशन, और एयरक्राफ्ट के साथ कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन शामिल हैं। नेवी ने कहा कि इसकी दूसरी क्षमताओं में माइन बिछाना, सर्च और रेस्क्यू, और दुश्मन के एयरक्राफ्ट से बचाव करना शामिल है। एडवांस्ड हथियारों, सेंसर और कम्युनिकेशन सिस्टम से लैस, यह जहाज जमीन के नीचे के खतरों का ठीक से पता लगा सकता है, उन्हें ट्रैक कर सकता है और उन्हें बेअसर कर सकता है। नेवी ने आगे कहा कि यह कम गहरे पानी में लंबे समय तक ऑपरेशन कर सकता है और इसमें टेक्नोलॉजी के हिसाब से एडवांस्ड मशीनरी और कंट्रोल सिस्टम हैं।

मुंबई : राज्य और नेशनल मेडिकल काउंसिल में एडमिशन लेने के लिए दो मौके देने पर सहमति जताई...

मुंबई : केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के सामने कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स के 852 स्टूडेंट्स को अपनी फाइनल परीक्षा पास करने और राज्य और नेशनल मेडिकल काउंसिल में एडमिशन लेने के लिए दो मौके देने पर सहमति जताई है। पिछले साल, कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स में एडमिशन लेने वाले 239 स्टूडेंट्स का इंतजार तब से हो गया था, जब मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ने कॉलेज को किसी भी स्टूडेंट को एडमिशन न देने का निर्देश दिया था, क्योंकि पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल बोर्ड और नेशनल मेडिकल कमीशन ने कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स के चलाए जा रहे कोर्स बंद कर दिए थे।अब बंद हो चुके कोर्स के 852 स्टूडेंट्स को फाइनल परीक्षा देने के 2 मौके दिए गएराज्य की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच को बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ने नेशनल मेडिकल कमीशन और दूसरी संबंधित अथॉरिटीज से सलाह ली थी और इस मामले में एक अपडेटेड फैसला लिया था।

एक बार के उपाय के तौर पर, छह फेलोशिप कोर्स, तीन डिप्लोमा कोर्स और एक दूसरे कोर्स में एनरोल 852 स्टूडेंट्स, जिन्हें 2024 में बंद कर दिया गया था, सुप्रीम कोर्ट से इजाजत मिलने के बाद कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स द्वारा आयोजित फाइनल एग्जाम में बैठने की इजाजत दी जाएगी।स्टूडेंट्स को अपनी पहली कोशिश के दो महीने बाद एग्जाम में बैठने का दूसरा मौका भी मिलेगा। वेंजकटरमणि ने कोर्ट को बताया कि अगर वे पास हो जाते हैं, तो स्टूडेंट्स को कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स से मिली डिग्री रखने और महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल और नेशनल मेडिकल कमीशन में भी रजिस्टर होने की इजाजत दी जाएगी। ये 852 स्टूडेंट्स 2022-2023 में अपने-अपने कोर्स में एनरोल हुए थे, जो नेशनल मेडिकल काउंसिल के कुछ नियमों का पालन न करने के कारण कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स के कोर्स बंद होने से एक साल पहले की बात है।हालांकि, 2024 में,मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर ने कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स को किसी भी स्टूडेंट को एडमिशन न देने के लिए लिखा था, और इसलिए जो एडमिशन पहले ही हो चुके थे, उन्हें सेंट्रल अथॉरिटीज ने ''पूरी तरह से गैर-कानूनी'' माना था।

लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल अथॉरिटीज से रिक्वेस्ट की कि वे 2017-18 में कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्सकोर्स के लिए एनरोल हुए 57 स्टूडेंट्स के मामले पर फिर से विचार करें, क्योंकि उन्होंने कई साल पहले अपनी डिग्री पूरी कर ली थी, लेकिन अभी भी मेडिकल काउंसिल रजिस्टर में एनरोल नहीं थे।मार्च 2025 में, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक ऑर्डर पास किया जिसमें उसने कॉलेज ऑफ फि ज़िशियन एंड सर्जन्स में कोर्स बंद करने को सही ठहराया और कॉलेज को निर्देश दिया कि वह नेशनल मेडिकल काउंसिल की इजाजत के बिना किसी भी हॉस्पिटल से खुद को एफिलिएट न करे या अपने डिप्लोमा या डिग्री कोर्स में किसी भी स्टूडेंट को एडमिशन न दे।

नियम तोड़ने वालों से सेंट्रल रेलवे की रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने 38.03 लाख रुपये पेनल्टी वसूले

मुंबई : सेंट्रल रेलवे की रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स ने एक महीने तक चली बड़ी कार्रवाई में, अक्टूबर 2025 में रेलवे एक्ट के अलग-अलग नियमों के तहत 8,184 नियम तोड़ने वालों को पकड़ा और 38.03 लाख रुपये पेनल्टी के तौर पर वसूले। अधिकारियों का कहना है कि पैसेंजर सेफ्टी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्टेशनों, ट्रेनों और रेलवे एसेट्स को सुरक्षित करने के लिए यह तेज कार्रवाई एक बड़े कदम का हिस्सा है। सेंट्रल रेलवे द्वारा हाल ही में जारी किए गए डेटा के मुताबिक, आरपीएफ के इंटेलिजेंस पर आधारित ऑपरेशन के कारण कई डिवीजनों में टारगेटेड रेड, गिरफ्तारियां और ऑन-ग्राउंड

विजिलेंस हुई। खास कार्रवाइयों में महिला कोच का गलत इस्तेमाल शामिल है, जहां 243 पुरुष यात्रियों पर रेलवे एक्ट के सेक्शन 162 के तहत महिलाओं के लिए रिजर्व कोच में गैर-कानूनी तरीके से घुसने का मामला दर्ज किया गया, जिन पर कुल 62,200 रुपये का पेनल्टी लगाया गया। इसके अलावा, रेलवे प्रॉपर्टी (गैर-कानूनी कब्जा) एक्ट के तहत रेलवे के सामान की चोरी और गैर-कानूनी कब्जे के लिए 59 लोगों को गिरफ्तार किया गया, और अधिकारियों ने चोरी का सामान और 4.62 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला।

आरपीएफ ने 8.21 लाख रुपये की शराब, गांजा और तंबाकू प्रोडक्ट्स ले जाने के आरोप में 17 लोगों पर केस दर्ज किया। इससे ट्रेनों में स्मगलिंग के खिलाफ फोर्स की चल रही लड़ाई का पता चलता है। इसके अलावा, ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर यात्रियों का सामान चोरी करने और दूसरी क्रिमिनल एक्टिविटीज में शामिल कुल 161 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। आरपीएफ की तेज कार्रवाई से चोरी का सामान बरामद करने और यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने में मदद मिली।

7 दिसंबर 2025 को अनोखा सिंगिंग रिकॉर्ड बनाएंगे दुनिया भर के 111 सिंगर....

नागपुर : कई वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर नागपुर के लोगों ने अब एक और रिकॉर्ड तोड़ने का फैसला किया है। इसके मुताबिक, 7 दिसंबर 2025 को दुनिया भर के 111 सिंगर नागपुर आएंगे और एक अनोखा सिंगिंग रिकॉर्ड बनाएंगे। यह रिकॉर्ड आज गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स होल्डर सिंगर सुनील कुमार वाघमारे ने पत्रकारों को दिया। सुनील कुमार वाघमारे, जिन्होंने न केवल महाराष्ट्र बल्कि अलग-अलग राज्यों में भी कई सिंगिंग प्रोग्राम किए हैं, पिछले 13 सालों में गिनीज समेत 8 अलग-अलग रिकॉर्ड बनाए हैं। उनके साथ कई लोकल कलाकारों

ने भी अलग-अलग रिकॉर्ड बनाकर नागपुर के ताज में रिकॉर्ड्स की एक परत और जोड़ दी है। वाघमारे और संजय चिंचोले ने बताया कि श्री शांति गणेशोत्सव और कल्चरल मंडल, डॉ. दांडे फाउंडेशन और पद्मश्री मोहम्मद रफी कल्चरल मंच नागपुर ने 'महाराष्ट्र बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' नाम से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला सिंगिंग प्रोग्राम रखा है, जिसमें मराठी, हिंदी, गुजराती, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, भोजपुरी, राजस्थानी समेत देश की कई भाषाओं के गाने गाए जाएंगे। यह प्रोग्राम 7 दिसंबर को सुबह 8 बजे गांधी सागर झील, महल के पास टीचर्स कोऑपरेटिव बैंक ऑडिटोरियम में शुरू होगा। अब तक 70 सिंगर्स ने इस प्रोग्राम के लिए अपना नाम रजिस्टर कराया है, और 41 और को मौका मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी गांव या शहर का कोई भी सिंगर इसमें हिस्सा ले सकता है।

टोल वसूलने वाली एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स को फ्लाईओवर का रखरखाव न करने के लिए आखिरी नोटिस जारी; मरम्मत शुरू नहीं की तो की जाएगी कार्रवाई

मुंबई : महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने शहर के पांच एंट्री पॉइंट पर टोल वसूलने वाली प्राइवेट फर्म एमईपी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स को अपनी ज़िम्मेदारी वाले फ्लाईओवर का रखरखाव न करने के लिए आखिरी नोटिस जारी किया है। कॉर्पोरेशन ने चेतावनी दी है कि अगर कंपनी ने तुरंत मरम्मत शुरू नहीं की तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन , मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट

अथॉरिटी और बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को निर्देश दिया गया कि वे घिसी हुई ऊपरी परत को ठीक करने और गाड़ियों के लिए चिकनी और सुरक्षित सतह पक्का करने के लिए जल्दी से रीसरफेसिंग का काम पक्का करें।यह नोटिस डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की मंगलवार को शहर में कई फ्लाईओवर की खराब हालत के बारे में एक रिव्यू मीटिंग के बाद आया है। महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी, और बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को निर्देश दिया गया कि वे घिसी हुई ऊपरी परत को ठीक करने और गाड़ियों के लिए चिकनी और सुरक्षित सतह पक्का करने के लिए जल्दी से रीसरफेसिंग का काम पक्का करें।

मुंबई : जीशान सिद्दीकी को दी गई वाई कैटेगरी की सिक्योरिटी वापस

मुंबई : पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हाई-प्रोफाइल हत्या के बाद, उनके बेटे, जीशान सिद्दीकी को दी गई वाई - कैटेगरी की सिक्योरिटी अब वापस ले ली गई है। सिक्योरिटी हटाए जाने के बाद, जीशान सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस कमिश्नर को एक लेटर लिखकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सूत्रों के मुताबिक, सिक्योरिटी कवर में कमी के बाद, अभी जीशान के साथ सिर्फ दो

कांस्टेबल तैनात हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके घर पर पहले तैनात सिक्योरिटी वालों को हटा दिया गया है। अभी तक, मुंबई पुलिस ने इस मामले पर कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया है।

मुंबई : एलफिंस्टन ब्रिज के आधे टूटे हुए गर्डरों को हटाने के लिए परेल में 20 से 23 घंटे का ब्लॉक लग सकता

मुंबई : परेल और प्रभादेवी रेलवे स्टेशनों के ऊपर बने एलफिंस्टन ब्रिज के आधे टूटे हुए गर्डरों को हटाने के लिए परेल में 20 से 23 घंटे का ब्लॉक लग सकता है। सोमवार को, रेलवे इंजीनियरों ने परेल छोर पर आधे टूटे हुए रोड ओवर ब्रिज के नीचे की जगह का दौरा किया ताकि उन दिक्कतों का पता लगाया जा सके जिन पर पुल गिराने के लिए जरूरी ब्लॉक पीरियड को फाइनल करने से पहले ध्यान देने की जरूरत है।काम की मात्रा को देखते हुए, उफ अधिकारियों ने कहा कि उन्हें 23 से 24 घंटे लगेंगे, जिसमें से तीन से चार घंटे OHE केबल हटाने में लगेंगे।ट्रेनों को 25,000 वोल्ट सप्लाई करने वाले ओवरहेड इलेक्ट्रिक (OHE) केबल के कुछ हिस्से पुल के अंडरफ्रेम में वेल्ड किए गए थे, सूत्रों ने कहा कि सबसे जरूरी काम ब्रैकेट इंसुलेटर और तार थे। सेंट्रल रेलवे (उफ) के एक अधिकारी ने कहा, ''इन्हें हटाना और हटाना एक समय लेने वाला काम होगा।'' फास्ट और स्लो कॉरिडोर पर दो-दो लाइनें हैं और साइडिंग (एक छोटा रेलवे ट्रैक सेक्शन जो मेन लाइन से अलग होता है) के लिए एक एक्स्ट्रा लाइन है जो उफ हिस्से पर 100 साल से ज्यादा पुराने फ्लड के नीचे से गुजरती है।

हर लाइन में एक या दो ब्रैकेट इंसुलेटर ब्रिज के बेस पर वेल्ड किए गए हैं।एक और अधिकारी ने कहा कि

इस मामले में, OHE केबल को साइड में नहीं लगाया जा सका और उसे पूरी तरह से हटाना होगा। केबल की एवरेज लंबाई दो से चार किलोमीटर होती है, और उन्हें रेगुलर इंटरवल पर OHE मास्ट (रेलवे ट्रैक के किनारों पर दिखने वाले लंबे ग्रे पोल) का इस्तेमाल करके जोड़ा जाता है। उन्होंने बताया, ''इस काम के लिए, हमें इन OHE मास्ट और दूसरे इक्विपमेंट को शिफ्ट करना पड़ सकता है ताकि गिराने का काम पूरा होने और नए ब्रिज का कंस्ट्रक्शन शुरू होने के बाद पावर सप्लाई में कोई दिक्कत न हो।''काम की मात्रा को देखते हुए, उफ अधिकारियों ने कहा कि उन्हें 23 से 24 घंटे लगेंगे, जिसमें से तीन से चार घंटे OHE केबल हटाने में लगेंगे। उफ और हफ पर रेल ट्रैक के ऊपर बने पुल की लंबाई 132 मीटर है, जिसमें से 61 मीटर उफ के अधिकार क्षेत्र से होकर गुजरता है। पहले फेज में, उफ लाइनों पर मेगा ब्लॉक लगाए जाएँगे, उसके बाद हफ लाइनों पर।पिछले हफ़्ते, जब पहली बार गिराने का प्लान बनाया गया था, तो उफ और महाराष्ट्र रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अधिकारी तीन ऑप्शन पर सोच रहे थे। पहला था साइट पर 20 घंटे का लगातार सिंगल ब्लॉक, इस दौरान सभी लोकल और बाहर की ट्रेनें परेल या उससे पहले शॉर्ट-टर्मिनेट हो जाएँगी।

इस आइडिया को शुरू में आखिरी ऑप्शन माना गया था, क्योंकि इसका मतलब था कि कई सौ ट्रेन सर्विस कैंसिल हो जाएँगी, जिससे दादर रेलवे स्टेशन से यात्रियों के निकलने में अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो सकती है और हफ के प्रभादेवी स्टेशन पर बेवजह दबाव पड़ सकता है। हालाँकि, ऐसा लगता है कि यही प्लान कामयाब होगा।दूसरे संभावित प्लान में वीकेंड पर, ज्यादातर रात में, चार-चार घंटे के 15 ब्लॉक शामिल हैं। इसमें ज्यादा समय के लिए एक मेन ब्लॉक शामिल हो सकता है, हालांकि इसे अभी फाइनल नहीं किया गया है। तीसरा ऑप्शन टेक्निकल था जिसके लिए OHE२ को स्लीव करने की जरूरत पड़ सकती है। इन दोनों को लागू करना मुश्किल लग रहा है।

"डिजिटल अरेस्ट" फ्रॉड के मामले में साइबर गैंग से जुड़े तीन लोग गिरफ्तार...

मुंबई : डिजिटल अरेस्ट'' फ्रॉड के एक और मामले में, साइबर पुलिस ने एक साइबर गैंग से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने एक बुजुर्ग कपल से करीब ₹4 करोड़ की ठगी की।पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने कपल को यह कहकर डरा दिया कि वे करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं और उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।नॉर्थ रीजन साइबर पुलिस के मुताबिक, आरोपी विलास मोरे, रिजवान खान और कासिम शेख ने फ्रॉड करने के लिए कई बैंक अकाउंट खोले थे। पुलिस ने कहा कि देश भर से पैसा आरोपियों के बैंकों में जमा किया गया था, और फ्रॉड से जुड़े अकाउंट अब फ्रीज कर दिए गए हैं।

27 अक्टूबर को, एक अनजान आदमी ने गोरेगांव के शिकायत करने वाले बुजुर्ग कपल को फोन किया, और खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ळफ्अक) का ऑफिसर बताया। फ्रॉड करने वाले ने कपल से कहा कि उनके पर्सनल डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल देश में कई बैंक खोलने के लिए किया गया है, और उन अकाउंट्स में बड़ी रकम ट्रांसफर की गई है। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने कपल को यह कहकर डरा दिया कि वे करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हैं और उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जालसाजों ने दावा किया कि कपल से उइक ऑफिसर पूछताछ करेंगे, और इसके तुरंत बाद, मुंबई और दिल्ली से उइक ऑफिसर बनकर जालसाजों के साथियों ने कपल को फोन किया।जालसाजों ने कपल को सरकारी अधिकारियों के साइन और स्टैम्प वाले लेटर और कोर्ट का नोटिस भी WhtsApp पर भेजा। फिर जालसाजों ने वीडियो कॉल के जरिए कपल को 'सख्त निगरानी' में रखा, और उन्हें दिए गए अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करने और जांच में सहयोग करने के लिए मजबूर किया। डरकर, कपल ने आरोपियों को ₹4 करोड़ ट्रांसफर कर दिए और उन्हें बताया गया कि जांच पूरी होने के बाद पैसे उनके अकाउंट में वापस कर दिए जाएंगे।जब उनके अकाउंट में कोई पैसा वापस नहीं आया और आरोपियों ने कॉल या मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया, तो शिकायत करने वालों ने आखिरकार पुलिस से संपर्क किया। बुजुर्ग कपल ने आखिरकार नवंबर के बीच में पुलिस साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई, और पुलिस ने तुरंत उन अकाउंट का पता लगाना शुरू कर दिया जिनमें पैसे ट्रांसफर किए गए थे।

ठाणे में सड़क पर सूटकेस में युवती की लाश मिलने से हड़कंप!

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क पर सूटकेस में एक युवती की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। विपक्षी पार्टियों ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस अपनी ड्यूटी ठीक से नहीं कर रही है और अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं है। यह घटना ठाणे जिले के कल्याण शील रोड पर हुई। देसाई खाड़ी इलाके में एक सूटकेस के अंदर एक युवती की लाश मिली। जैसे ही यह खबर फैली, पूरे देसाई खाड़ी इलाके में हंगामा मच गया। खबरों के मुताबिक, युवती की उम्र 28 से 30 साल के बीच थी। पुलिस ने शुरूआती तौर पर अनुमान लगाया है कि उसकी हत्या करके उसकी लाश सूटकेस में फेंकी गई है।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची और जांच शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम ने भी सबूत इकट्ठा किए हैं। पुलिस ने जांच रिपोर्ट तैयार कर ली है और लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला की पहचान अभी नहीं हो पाई है। महिला की मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम जांच के बाद ही पता चलेगा। पुलिस अभी आस-पास के लोगों से पूछताछ कर रही है और महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस अभी खाड़ी इलाके में लगातार पूछताछ कर रही है ताकि कोई सुराग मिल सके। इस क्राइम को सुलझाने के लिए पुलिस की कई टीमें काम कर रही हैं। देखना होगा कि पुलिस कितनी जल्दी केस सुलझा पाती है और अपराधी को पकड़ पाती है।

पूर्व कांस्टेबल चेतन सिंह चौधरी की दूसरी बेल एप्लीकेशन फाइल की

मुंबई : रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के पूर्व कांस्टेबल चेतन सिंह चौधरी की तरफ से दूसरी बेल एप्लीकेशन फाइल की गई। उन पर 31 जुलाई, 2023 की सुबह जयपुर-मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस में अपने सीनियर ऑफिसर और तीन मुस्लिम पैसेंजर की हत्या का केस चल रहा है। सोढ़ी सेशन कोर्ट में फाइल की गई एप्लीकेशन में कहा गया है कि चौधरी ने 28 महीने जेल में बिताए हैं। एप्लीकेशन में कहा गया है कि उन्हें ''मेंटली अनस्टेबल'' घोषित किया गया है, उन्हें अपने परिवार वालों से ''प्यार, जरूरत और देखभाल'' की जरूरत है, और उनके दो बच्चे हैं जो ''अपने पिता की रिहाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं''।एडवोकेट जयवंत पाटिल की हेडिंग वाली डिफेंस टीम के हिस्से, एडवोकेट अमित मिश्रा और पंकज एस घिल्डियाल द्वारा फाइल की गई एप्लीकेशन में बताया गया है कि चौधरी को जेल में ''पैनिक मेंटल अटैक'' आया था, और चार महीने तक ठाणे मेंटल हॉस्पिटल में उनका इलाज चला।चौधरी को फरवरी 2025 में अकोला सरकारी हॉस्पिटल की सलाह पर ठाणे मेंटल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब अकोला

सेंट्रल जेल के स्टाफ ने पाया कि उनका व्यवहार अजीब है।

उन्हें 19 जून को हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गई, डिस्चार्ज रिपोर्ट में कहा गया कि वह ''शांत, सहयोगी, बातचीत करने वाले, समय, जगह, व्यक्ति को समझने वाले... समझदार हैं और अपने रूटीन को अच्छी तरह से फॉलो करते हैं''; (उनका) ''पालन बेहतर है, व्यवहार कंट्रोल में है और भूख अच्छी है।''बेल एप्लीकेशन में आगे दावा किया गया है कि चौधरी को उस जुर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं है जिसका उन पर आरोप है, क्योंकि वह ''बहुत ज्यादा मेंटल स्ट्रोक'' के साथ-साथ ''व्हाइट मैटर डिजीज'' से भी पीड़ित हैं।

जुर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं'', ''बहुत ज्यादा मेंटल स्ट्रोक'' और ''व्हाइट मैटर डिजीज'', इन सभी का ज़िक्र चौधरी की पहली बेल एप्लीकेशन में किया गया था, जो उनकी गिरफ्तारी के तीन महीने बाद नवंबर 2023 में फाइल की गई थी।कोर्ट ने यह कहते हुए अर्जी खारिज कर दी थी कि रिकॉर्ड, चश्मदीदों के बयान, चोटें और जुर्म के समय चौधरी के कहे शब्दों से पता चलता है कि उसने ''चार लोगों की हत्या तब की जब वह सरकारी कर्मचारी के तौर पर ड्यूटी पर था और उसने मरने वाले के लिए सांप्रदायिक शब्द कहे थे... आरोपी ने ऐसे शब्द कहे हैं जिनसे पता चलता है कि (वह) खास समुदाय के लोगों की हत्या करने के लिए पूरी तरह तैयार था।''

ठाणे : इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम ने सिर्फ.ढाई महीने में 30,085 ट्रैफिक नियम तोड़ने के मामले पकड़े...

ठाणे : कैडबरी जंक्शन पर लगे अकसे चलने वाले इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम ने सिर्फ. ढाई महीने में 30,085 ट्रैफिक नियम तोड़ने के मामले पकड़े हैं। सितंबर में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के 16,000 से ज्यादा चालान काटे गए थे, लेकिन अक्टूबर में नियम तोड़ने के मामलों में 46% और नवंबर के पहले आधे हिस्से में ठाणे के सबसे बिजी चौराहों में से एक पर 55% की भारी कमी आई। ठाणे, डोंबिवली, भिवंडी, अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और ठाणे सिटी पुलिस के तहत आने वाले दूसरे इलाकों में ऐसी 350 यूनिट लगाने के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा है। अभी, 12 सिस्टम चालू हैं, और दिसंबर के आखिर तक 150 और सिस्टम लगने की उम्मीद है।1 सितंबर को एक्टिवेट हुआ यह सिस्टम, नियम तोड़ने वालों को चौबीसों घंटे ट्रैक करने के लिए हाई-डेफिनिशन CCTV कैमरों का इस्तेमाल करता है। ट्रैफिक पुलिस के वेरिफिकेशन के बाद, नियम तोड़ने वालों को ई-चालान जारी किए जाते हैं, जिससे ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत ₹30.85 लाख का जुमार्ना वसूला।

अकेले सितंबर में, सिस्टम ने जंक्शन पर 16,709 मामले

दर्ज किए–जिसमें सिग्नल जंपिंग के 11,000 मामले शामिल थे। इसके बाद, अक्टूबर में यह संख्या घटकर 9,082 और 17 नवंबर तक 4,294 हो गई, जो गाड़ी चलाने वालों के बीच बेहतर नियमों का पालन दिखाता है, जो अक्टूबर में 46% और नवंबर में कैडबरी जंक्शन पर 55% की गिरावट है, ट्रैफिक पुलिस ने कहा।कैडबरी जंक्शन ITMS, ठाणे, डोंबिवली, भिवंडी, अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर और ठाणे सिटी पुलिस के तहत आने वाले दूसरे इलाकों में ऐसी 350 यूनिट लगाने के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा है। अभी, 12 सिस्टम चालू हैं, और दिसंबर के आखिर तक 150 और सिस्टम लगने की उम्मीद है।ठाणे (ट्रैफिक) के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, पंकज शिरसाट ने कहा, ''ITMS एक 24७7 चालू 'तीसरी आंख' है जो सिग्नल तोड़ने और ट्रैफिक मूवमेंट पर कड़ी नजर रखती है। ITMSलगाने के पीछे का मकसद ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले गाड़ी चलाने वालों में डर पैदा करना, एक्सीडेंट का खतरा बढ़ाना और जाम लगाना है। हम गाड़ी चलाने वालों से अपील करते हैं कि वे सजा से बचने के लिए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें। जल्द ही, ठाणे पुलिस के अधिकार क्षेत्र में ऐसे और कैमरे लगाए जाएंगे।''एक ITMS यूनिट में कई हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे होते हैं जिन्हें सिग्नल जंपिंग, ट्रिपल-सीट राइडिंग, बिना हेलमेट के राइडिंग और बिना सीट बेल्ट के गाड़ी चलाने जैसे अपराधों का पता लगाने के लिए प्रोग्राम किया गया है। अलर्ट ट्रैफिक कंट्रोल रूम को भेजे जाते हैं, जहां चालान जारी करने से पहले कर्मचारियों की एक टीम दो शिफ्ट में फुटेज देखती है। पुलिस ने साफ किया है कि यह सिस्टम गाड़ी चलाने वालों पर ऑटोमैटिकली जुमार्ना नहीं लगाता है; चालान पुलिस नायक या उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों द्वारा मैन्युअल वेरिफिकेशन के बाद ही जारी किए जाते हैं।

ठाणे : चुनावों के लिए ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल को फाइनल करने की टाइमलाइन बढ़ा सकता है स्टेट इलेक्शन कमीशन...

ठाणे : विपक्षी पार्टियों की शिकायतों और सिविक अधिकारियों से मिले फीडबैक के बीच, महाराष्ट्र स्टेट इलेक्शन कमीशन बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों के लिए ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल को फाइनल करने की टाइमलाइन बढ़ा सकता है। इस कदम से चुनाव कम से कम कुछ हफ़्ते आगे बढ़ने की उम्मीद है। महाराष्ट्र में लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट (कॉर्पोरेशन) चुनावों की घोषणा हो गई है, और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में तैयारियां चल रही हैं। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने वोटर लिस्ट जारी कर दी हैं, और अलग-अलग पॉलिटिकल पार्टियों के कार्यकर्ता ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर में मौजूद इलेक्शन ऑफिस जा रहे हैं।शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना समेत विपक्षी पार्टियों ने हाल ही

में जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में बड़ी गड़बड़ियों का आरोप लगाया है, जिसमें डुप्लीकेट एंट्री, नाम हटाना और वोटरों का दूसरे वार्ड में ट्रांसफर शामिल है। बीएमसी अधिकारियों ने एएउ को रोल को फाइनल करने में आ रही मुश्किलों के बारे में भी बताया है।

खबर है कि बहुत सारी शिकायतें मिलने के बाद सिविक बॉडी ने उन वार्ड की लिस्ट जमा की है जहां वोटर्स को दूसरे वार्ड में भेज दिया गया है। बीएमसी कमिश्नर ने ड्राफ्ट लिस्ट में सुधार की भी मांग की है।राज्य चुनाव कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने कहा, ''हम बीएमसी को भेजी गई अपनी बात में बदलाव कर रहे हैं, जिससे उन्हें ड्राफ्ट लिस्ट में सुधार करने का अधिकार मिल सके। इस काम में कुछ और दिन लगने की उम्मीद है और इससे बीएमसी चुनाव में देरी हो सकती है। हमें या तो 31 जनवरी की डेडलाइन के आखिरी कुछ दिनों तक काम करना होगा या सुप्रीम कोर्ट से समय बढ़ाना होगा।'' 13 नवंबर को, एएउ ने बीएमसी के कहने पर फाइनल वोटर्स लिस्ट पब्लिश करने की डेडलाइन 28 नवंबर से बढ़ाकर 5 दिसंबर कर दी थी। और गड़बड़ियां सामने आने के बाद, सिविक बॉडी ने अब और समय मांगा है। नाम न बताने की शर्त पर एक बीएमसी अधिकारी ने कहा, ''हालांकि विपक्ष ने तीन हफ़्ते का एक्सटेंशन मांगा है, एएउ बीएमसी को एक हफ़्ते का एक्सटेंशन दे सकता है। उस स्थिति में, चुनाव की घोषणा में देरी हो सकती है, जिससे मुंबई में असल में चुनाव कराने में देरी हो सकती है।''अधिकारी ने आगे कहा कि संदिग्ध डुप्लीकेट एंट्री की संख्या भी बहुत ज्यादा है–1.1 मिलियन या कुल वोटरों का 10.6%–जिससे नगर निकाय आगे के विवाद से बचने के लिए सावधानी से काम कर रहा है।वोटर लिस्टक्रिकेट के साथ हर बड़ी हिट, हर विकेट देखें, लाइव स्कोर, मैच स्टैट्स, इन्फोग्राफिक्स और भी बहुत कुछ के लिए वन-स्टॉप जगह।

मुंबई : आसमान पर धुंध की घनी चादर

मुंबई : हल्की और काफी ठंडी सुबह हुई, जिसमें मिनिमम टेम्परेचर **23**C से थोड़ा नीचे चला गया। सुबह जल्दी उठने वाले लोग दिन की अच्छी शुरूआत की उम्मीद में बाहर निकले, लेकिन कई लोगों को शहर के आसमान पर धुंध की घनी चादर मिली। आने-जाने वालों ने विज़िबिलिटी कम होने, आँखों में जलन और साँस लेने में तकलीफ होने की बात कही, जिससे शहर भर में प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के बढ़ने का पता चला। जो सुबह एक ताजगी भरी सुबह के तौर पर शुरू

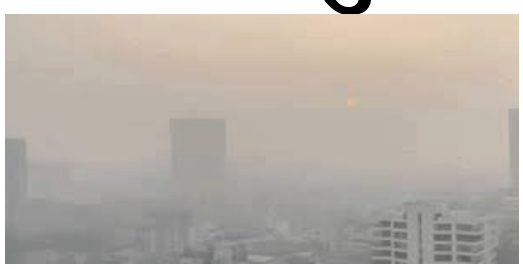

हुई थी, वह जल्द ही मुंबई की बिगड़ती एयर-क्वालिटी की समस्या की एक साफ याद बन गई। मुख्य सड़कों, रिहायशी इलाकों और कमर्शियल जोन पर घना कोहरा छाया हुआ था, हल्की हवाएँ पूरे नवंबर में लगातार जमा हो रहे प्रदूषण को कम करने में ज्यादा मदद नहीं कर रही थीं। इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने कहा कि दिन भर आसमान साफ रहने की संभावना है, और दोपहर तक मैक्सिमम टेम्परेचर के लगभग 34त्ज तक पहुँचने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सुबह की ठंड कुछ और दिनों तक जारी रह सकती है, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि शहर की बिगड़ती हवा में कब कोई खास सुधार दिखेगा।

गड्ढों और मैनहोल से होने वाली मौतों; सिविक और स्टेट अथॉरिटीज की बॉम्बे हाई कोर्ट ने कड़ी आलोचना की

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने गड्ढों और मैनहोल से होने वाली मौतों में मुआवजे के पेमेंट की ज़िम्मेदारी बदलने के लिए कई सिविक और स्टेट अथॉरिटीज की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर वे अधिकार क्षेत्र के झगड़े सुलझाने में नाकाम रहे, तो कोर्ट सभी संबंधित एजेंसियों को मुआवजा बराबर बांटने का आदेश देगा। बेंच ने 50-50 मुआवजे के ऑर्डर की चेतावनी दी जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और संदेश पाटिल की बेंच ने कहा कि अधिकारी टूटी सड़कों की ज़िम्मेदारी लेने के बजाय अक्सर एक-दूसरे पर इल्जाम लगाते हैं। बेंच ने कहा, ''हम आपको 50-50% मुआवजा देने का निर्देश देंगे। फिर आप सब आपस में लड़ते रहेंगे और फिर दूसरे (संबंधित अथॉरिटी) से वसूल करेंगे।''

कस्टम अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में 12 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त कीं

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट कस्टम अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में करीब 12 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त कीं और तस्करी में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया। बैंकॉक से आया यात्री हाइड्रोपोनिक वीड के साथ पकड़ा गया कस्टम सूत्रों के मुताबिक, खास जानकारी के आधार पर, रविवार को बैंकॉक से आने वाले एक यात्री एफ. एफ. रंगवाला को इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रोका गया।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह चार गाड़ियों की टक्कर में एक कंटेनर ड्राइवर की मौत....

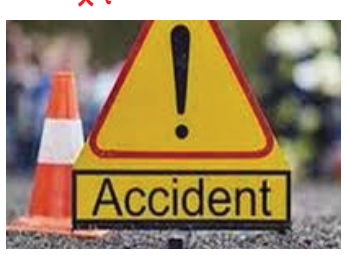

मुंबई : मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह चार गाड़ियों की टक्कर में एक कंटेनर ड्राइवर की मौत हो गई और दो दूसरे घायल हो गए। यह हाई-रिस्क बोरघाट इलाके में एक और गंभीर हादसा है। पुलिस ने बताया कि रियाज अहमद (36) नाम का तेज रफ़्तार कंटेनर नई अडोशी टनल के पास एक पिकअप वैन से टकरा गया, जिससे एक चेन रिएक्शन हुआ जिसमें पिकअप आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई और ट्रक आगे एक टाटा पंच कार से टकरा गया। सभी गाड़ियों को बहुत नुकसान हुआ। अहमद कुचले हुए केबिन के अंदर फंसा हुआ मिला और जब बचावकर्मियों ने उसे बाहर निकाला तो उसे मृत घोषित कर दिया गया। पिकअप ड्राइवर और एक यात्री को चोटें आईं और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया।

क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर?

अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

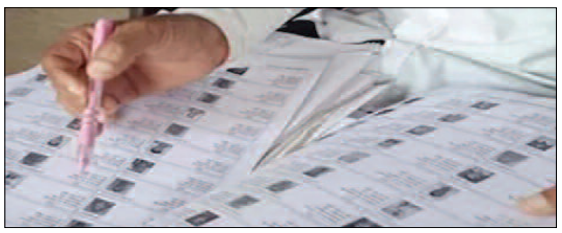

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है।मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

बिहार हार को लेकर पीके बोले- ईवीएम हेरफेर के प्रमाण नहीं पर कुछ तो गड़बड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता में जंगल राज की वापसी को लेकर फैली आशंका और कुछ छिपे हुए कारक उनकी पार्टी की हार की बड़ी वजह बने। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनके आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान पीके ने कहा, कि चुनाव के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मान लिया कि जन सुराज जीतने की स्थिति में नहीं है, और उन्हें डर था कि वोट बंटने से लालू यादव के पुराने जंगल राज की वापसी हो सकती है। पीके ने कहा, अगर लोग सोचते हैं कि हमारा वोट किसी तरह आरजेडी की वापसी का मार्ग खोल देगा, तो वे जोखिम नहीं लेना चाहते। यह डर हमारे खिलाफ गया।

238 सीटों पर उतारे थे प्रत्याशी, जीता एक भी नहीं

बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 238 पर उम्मीदवार उतारने के बावजूद जन सुराज एक भी सीट नहीं जीत सकी। अनुमानित वोट शेयर 2-3 प्रतिशत के बीच रहा और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। ऐसे में पीके ने कहा, उनकी 18 महीने लंबी 'जन सुराज यात्रा' के दौरान मिला जनमत परिणामों से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

उन्होंने कहा, कुछ ऐसा हुआ है जो समझ से परे है। जिन पार्टियों को लोग मुश्किल से जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि यह संदेह मात्र है, सबूत नहीं।

कुछ तो गलत हुआ

प्रशांत किशोर ने कहा, कि कुछ लोग उन्हें ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाने को कह रहे, लेकिन वे ऐसा दावा बिना सबूत के तो नहीं कर सकते हैं। इसके मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन प्रथम दृष्ट्या कुछ तो गड़बड़ लगता है, पर क्या– यह नहीं पता।

दिल्ली बम विस्फोट: जैश मॉड्यूल में गहरे वैचारिक और वित्तीय मतभेद हुए उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार बम विस्फोट की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद के इस आतंकी मॉड्यूल के भीतर विचारधारा, हमले की रणनीति और धन के उपयोग को लेकर गहरी फूट थी। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी और बाकी सदस्यों के बीच मतभेद इतने गहरे थे कि उमर ने अक्टूबर में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था।जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जो पश्चिमी देशों और दूर के दुश्मनों पर हमले को प्राथमिकता देती है। वहीं डॉ. उमर उन नबी आईएसआईएस की कट्टर विचारधारा की ओर झुके हुए थे। उनका मानना था कि पहले करीबी दुश्मन (भारत) को निशाना बनाना चाहिए और खिलाफत स्थापित करना ही सर्वोच्च लक्ष्य है।

उमर खुद को कश्मीर के कुख्यात आतंकियों बुरहान वानी और जाकिर मूसा की विरासत का उत्तराधिकारी मानता था। यही वैचारिक टकराव मॉड्यूल की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। समूह के अधिकांश सदस्य (वागे को छोड़कर) पहले अफगानिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेना चाहते थे, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बड़ा हमला करने का फैसला किया। डॉ. उमर 2023 से ही इंटरनेट पर आईईडी बनाने की तकनीक पर गहन रिसर्च कर रहा था और फरीदाबाद में किराए के मकान में रसायनों के साथ प्रयोग करता था। मॉड्यूल को मिले फंड को लेकर भी तीखी नोंक-झोंक थी। उमर पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। जांच में पता चला है कि मुख्य वित्तीय सहायता अल फलाह विश्वविद्यालय की छात्रा शाहीन शाहिद अंसारी ने की थी, जो मुजम्मिल गनई की सहपाठी थी। शाहीन ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग से करीब 20 लाख रुपये जुटाए थे। वह जैश की महिला भर्ती शाखा 'जमात-उल-मोमिनात'से जुड़ी थी और फरीदाबाद ऑपरेशन के लिए धन व संसाधन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही थी।

अक्टूबर में मुफ्ती इरफान वागे की गिरफ्तारी के बाद उमर ने 18 अक्टूबर को कश्मीर के काजीगुंड में बाकी सदस्यों से मुलाकात की। इस बैठक में उसने अपने साथियों को अपनी आईएसआईएस-प्रेरित रणनीति पर सहमत करने की कोशिश की और कथित तौर पर सफल भी रहा। ठीक तीन सप्ताह बाद दिल्ली में विस्फोट हो गया।वागे की गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मॉड्यूल तक पहुंच मिली। फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें उच्च क्षमता वाले

विस्फोटक, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल और प्रज्वलन उपकरण शामिल थे। उमर और गनई दोनों के पास उस कमरे की चाबियां थीं जहां यह सामग्री छिपाई गई थी। यह मामला दर्शाता है कि आतंकी संगठन कितने भी संगठित दिखें, उनके अंदर वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेद उन्हें कमजोर करते हैं। फिर भी, ये मतभेद आम नागरिकों की जान लेने से उन्हें नहीं रोक पाते।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन

का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

–स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।

'स्वर्ग से उतरी अप्सरा...' मिनी ऐश्वर्या की खूबसूरती में खोए लोग,

सफेद सूट वाली तस्वीरों पर ठहरीं निगाहें

बॉलीवुड में हर साल जाने कितने ही नए चेहरे अपने करियर की शुरूआत करते हैं, लेकिन इनमें से कुछ ऐसे होते हैं, जिनकी पहली झलक ही इन्हें सुर्खियों का हिस्सा बना देती है। रणवीर सिंह की 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन के साथ भी कुछ ऐसा ही है। फिल्म की रिलीज को अभी 2 हफ्ते का समय है, लेकिन सारा अर्जुन लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस के तभी से चर्चे शुरू हो गए थे, जब फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आई थी। धुरंधर के टीजर में सारा की झलक ने सबको हैरान कर दिया था और अब वह अपनी हालिया तस्वीरों को लेकर चर्चा में हैं। सारा अर्जुन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कु तस्वीरें शेयर कीं, जिसके चालाते वह सुर्खियों में आ गई हैं।

सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर सफेद अनारकली सूट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह कभी मुस्कुराते हुए तो कभी इठलाते हुए पोज कर रही हैं। उनकी इन तस्वीरों की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इसकी एक वजह ये भी है कि इन तस्वीरों के अलावा सारा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर सिर्फ उनकी आने वाली फिल्म धुरंधर से जुड़े पोस्ट ही हैं। ऐसे में एक्ट्रेस की झलक ने फैंस को खुश कर दिया है। यूजर भी सारा की तस्वीरों पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं और उनकी बेजोड़ ब्यूटी की तारीफ करते नहीं थक रहे।

सारा अर्जुन ने धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में ये ऑल व्हाइट लुक कैरी किया था। उन्होंने दिवंगत डिजाइनर रोहित बल के कलेक्शन से ये सफेद अनारकली सूट सिलेक्ट किया था, जिसमें बेहद हसीन लग रही थीं। सारा का ये फ्लेयर वाला, स्ट्रैपी स्लीव्स और स्वीटहार्ट नेकलाइन वाला सूट उन पर काफी जंच रहा था। उन्होंने अपने लुक को ऑक्सिडाइज ज्वेलरी के साथ कम्पलीट किया, जो उनके फर्स्ट पब्लिक अपीयरेंस के लिए बिलकुल परफेक्ट लग रहा था। फैंस भी उनके इस लुक पर प्रतिक्रिया देते दिखे। एक ने कमेंट करते हुए लिखा- 'बिलकुल स्वर्ग से उतरी अप्सरा जैसी।'

'पहले किसी प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला', 'द फैमली मैन 3' में अपने किरदार पर बोलीं निमरत कौर

मनोज बाजपेयी की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 3' शुक्रवार को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस सीरीज में अहम रोल अदा किया है। अपने रोल के बारे में उन्होंने कई बातें कही हैं। उनके मुताबिक 'द फैमिली मैन' के नए सीजन में मीरा की भूमिका निभाना एक रोमांचक मौका था।

सीरीज में कैसा है निमरत का किरदार?

कौर ने फिल्म 'द लंचबॉक्स', 'एयरलिफ्ट' और 'दसवीं' में बेहतरीन अभिनय किया है। निमरत कौर 'द फैमिली मैन 3' में श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) की दुश्मन हैं। जयदीप अहलावत के साथ उन्होंने विलेन का रोल किया है। अपने किरदार के बारे में निमरत ने कहा 'वह एक कड़वी चॉकलेट है, एक कैरेक्टर के तौर पर बहुत स्वादिष्ट है। वह आम इंसान की पहुंच से दूर है। कौर ने आगे कहा कि उन्हें अपने किसी भी आने वाले प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिएक्शन कभी नहीं मिला, जितना उन्हें तब मिला जब उन्होंने बताया कि वह 'द फैमिली मैन 3' का हिस्सा हैं। निमरत कौर ने कहा 'शुरू में मैं धीरे से जवाब देती थी क्योंकि मैं आम तौर पर शांत रहने वाली इंसान हूं। बाद में, मुझे समझ आया कि मुझे हर किसी से, परिवार से, दोस्तों से और लोगों से अच्छा रिएक्शन मिल रहा है। फिर मैंने शो ऑफ करना शुरू कर दिया। जब कोई मुझसे पूछता आप आगे क्या करने वाली हो? तो मैं कहती मैं 'द फैमिली मैन 3' करने वाली हूं। निमरत ने अपने किरदार के बारे में कहा 'ये ऐसा किरदार है जिसे आपको बनाना होता है, ये आपको दिया जाता है। इसके बाद उम्मीद की जाती है कि आप इसके साथ न्याय करें। इसलिए, मैं हमेशा ऐसे रोल का इंतजार करती हूं, मुझे ऐसे सेट पर बहुत मजा आता है।' 'द फैमिली मैन 3' में शारिब हाशमी, प्रियामणि, अश्लेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, श्रेया धनवंतरी और गुल पनाग हैं। सीरीज पर दर्शक अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

अनन्या पांडे ने 6 साल पहले किया था डेब्यू, जानें कितनी हिट और कितनी फ्लॉप दे चुकी हैं एक्ट्रेस

अनन्या पांडे का नाम बॉलीवुड की सफल एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल है. अपने अलग-अलग प्रॉजेक्ट्स के जरिए वो हमेशा ही फैंस को एंटरटेन करती रहती हैं. फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी एक्ट्रेस के खूब चर्चे होते हैं. अपने कॉन्फिडेंस, पर्सनैलिटी और मासूमियत से वो हर किसी के दिल में अपनी जगह बना लेती हैं. आज हम अनन्या पांडे के फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे. अनन्या पांडे के पिता चंकी पांडे भी बॉलीवुड के पॉपुलर नामों में से एक हैं. लेकिन सक्सेस के लिए अदाकारा ने कभी इसका फायदा नहीं उठाया. उन्होंने जी तोड़ मेहनत कर सबके दिल में अपनी जगह बनाई और अपना अलग मुकाम भी हासिल किया. एक्ट्रेस ने 2019 में डेब्यू किया था. अब उन्हें इंडस्ट्री में 6 साल हो गए हैं और इतने समय में उन्होंने 5 फिल्मों में काम किया. इतना ही नहीं उन्होंने गहराइयां से ओटीटी पर भी डेब्यू किया. आज एक नजर डालेंगे अनन्या पांडे के बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर. बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक ये है एक्ट्रेस की हिट फिल्मों की लिस्ट और उनके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पति पत्नी और वो - 86.39 करोड़, ड्रीम गर्ल 2 - 104.90 करोड़, केसरी चैप्टर 2 - 93.28 करोड़ (सेमी हिट) अनन्या पांडे और कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है.

पंचतत्व में विलीन हुए धर्मेंद्र, अंतिम विदाई में शामिल हुए अमिताभ-सलमान समेत कई सितारे...

जाने-माने फिल्म स्टार धर्मेंद्र का सोमवार सुबह मुंबई में उनके घर पर लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 89 साल के थे और कई दिनों से सांस लेने में समस्या की वजह से जूझ रहे थे। धर्मेंद्र का निधन उनके 90वें जन्मदिन 8 दिसंबर, 2025 से कुछ दिन पहले हुआ। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के विले पार्ले श्मशान घाट पर किया गया। सांस लेने में तकलीफ के चलते धर्मेंद्र को 31 अक्टूबर को मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। जहां से वे 12 नवंबर को डिस्चार्ज हो गए थे। धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल ने किया। वहां उनकी दूसरी पत्नी हेमा मालिनी भी मौजूद थीं। लीजेंडरी एक्टर को अंतिम विदाई देने बॉलीवुड की कई हस्तियां पहुंची। जिनमें उनके को-स्टार अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त और आमिर खान जैसे कई सेलेब्रिटीज शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत सभी राजनीतिक नेताओं ने सोशल मीडिया पर एक्टर के लिए शोक संदेश शेयर किए।

वसई-विरार में मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के 9% गैर-कानूनी स्कूल

मुंबई : स्कूल देर से आने पर 100 सिट-अप करने की सजा पाए 13 साल के स्टूडेंट की मौत से कुछ परेशान करने वाली सच्चाई सामने आई है झ मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के 9% गैर-कानूनी स्कूल वसई-विरार में हैं। इस साल स्टेट एजुकेशन डिपार्टमेंट के एक सर्वे के मुताबिक, वसई-विरार में 97 गैर-कानूनी स्कूल हैं झ जिनमें 69 प्राइमरी और 28 सेकेंडरी स्कूल हैं।टटफ के 9% गैर-कानूनी स्कूल वसई-विरार में हैंइसके अलावा, वसई-विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मुताबिक, इस इलाके में 217 ऑथराइज्ड स्कूल हैं। इसका मतलब है कि इस इलाके के 31% स्कूल अनऑथराइज्ड हैं।एजुकेशन एक्टिविस्ट का कहना है कि कई गैर-कानूनी स्कूल किसी स्कूल बोर्ड से जुड़े नहीं हैं, वे अनऑथराइज्ड जगहों पर चलते हैं, और उन्हें स्टेट एजुकेशन डिपार्टमेंट से मंजूरी नहीं मिली है।मामला यहां तक पहुंच गया है कि एजुकेशन डिपार्टमेंट, यह तो नहीं बता पा रहा है कि गैर-कानूनी स्कूलों को बढ़ने क्यों दिया गया है, लेकिन उसने वसई-विरार इलाके के सभी ऑथराइज्ड स्कूलों को इंस्टीट्यूशन को दिए गए अप्रूवल लेटर को साफ-साफ दिखाने का निर्देश दिया है।

श्री हनुमंत विद्या मंदिर हाई स्कूल, जिसकी स्टूडेंट की हाल ही में मौत हो गई, वहां मामला बिल्कुल उल्टा था। उसकी मौत की जांच में

पता चला कि एजुकेशन डिपार्टमेंट ने स्कूल के बाहर एक नोटिस लगा दिया था, जिसमें उसे गैर-कानूनी जगह पर चलने की वजह से अनऑथराइज्ड घोषित किया गया था। एक बोर्ड पर चिपकाए गए इस नोटिस को स्कूल ने चालाकी से स्कूल के बैनर से छिपा दिया था।जैसे-जैसे वसई-विरार की आबादी बढ़ रही है, गैर-कानूनी स्कूलों की संख्या भी बढ़ रही है। यह खासकर ईस्ट के लिए सच है, जहां कब्जे वाली जमीन पर चॉल तेजी से बढ़ रही हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट के सर्वे से पता चला कि 97 अनऑथराइज्ड स्कूलों में से आधे से ज्यादा पेल्हार में थे - 66 स्कूल। 'इंग्लिश' का दिखावायश माने, एक लोकल सोशल एक्टिविस्ट, कहते हैं कि भोले-भाले माता-पिता एक पुरानी चाल में फंस रहे हैं - ''स्कूल'' को एक इंग्लिश नाम देना और उसे ''कॉन्वेंट स्कूल'' कहना, जो अच्छी शिक्षा देने के लिए मशहूर है। अमीन शेख, एक दुकानदार, जिनके बेटे अमन, 14, को ''एनी बेसेंट इंग्लिश स्कूल'' से पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके पास जरूरी परमिशन नहीं थी, ने कहा, ''इस तरह के झूठे दावों से हमारे पैसे और हमारे बच्चों का भविष्य बर्बाद होता है। 43 साल की ललिता कनाडे, जिनका बेटा आयुष, 13, नालासोपारा के ''पोल स्टार स्कूल' में आठवीं क्लास में था, जिसे 2024 में बंद कर दिया गया था, याद करती हैं, ''आमतौर पर, एक स्कूल मालिक टेम्परररी स्ट्रक्चर में एक या दो क्लास खोलता है, जो समय के साथ बिल्डिंग बन जाती हैं।

और, फिर भी, वसई-विरार में गैर-कानूनी स्कूलों की संख्या पिछले साल के 71 से बढ़कर 97 हो गई है। स्टेट एजुकेशन डिपार्टमेंट के मुताबिक, उनमें से 58 के खिलाफ केस दर्ज किए गए थे, लेकिन इनमें से कुछ स्कूल अभी भी चल रहे हैं।इससे भी बुरी बात यह है कि टटफ में 9% तक गैर-कानूनी स्कूल वसई-विरार में हैं। जुलाई में स्टेट लेजिस्लेचर में पेश किए गए डेटा के मुताबिक, MMR में कुल 1,057 में से यह 97 है।

भिवंडी : टूरिस्ट के लिए एकमात्र बड़ा आकर्षण वराला झील प्रदूषण से जूझ रही है

भिवंडी : वराला झील भिवंडी में टूरिस्ट के लिए एकमात्र बड़ा आकर्षण है और शहर में पीने के पानी का मुख्य सोर्स है। यह झील कचरा फेंकने और धार्मिक प्रसाद के विसर्जन से होने वाले खतरनाक लेवल के प्रदूषण से जूझ रही है। झील की अनदेखी की वजह से बदबू आ रही है और पानी की क्वालिटी खराब हो रही है, जिससे लोगों को तुरंत दखल देने के लिए आवाज उठानी पड़ रही है।

हालात को अपने हाथ में लेते हुए, समाज के लिए समर्पित युवाओं के एक ग्रुप ने ''हर रविवार दो घंटे'' (हर रविवार दो घंटे) नाम से एक कम्युनिटी-ड्रिवन पहल शुरू की। इस कैंपेन के तहत, वॉलंटियर हर रविवार को दो घंटे झील की जगह को हाथ से साफ करने के लिए देते हैं।

3,000 सिक्योरिटी गार्डों को वापस भेजने का फैसला; मुंबई पुलिस में नए कांस्टेबलों को भर्ती शुरू

मुंबई : जैसे ही मुंबई पुलिस नए कांस्टेबलों को भर्ती करना शुरू कर रही है, राज्य के गृह विभाग ने दो साल पहले महाराष्ट्र स्टेट सिक्योरिटी कॉर्पोरेशन से लिए गए 3,000 सिक्योरिटी गार्डों को वापस भेजने का फैसला किया है। भर्ती में देरी के कारण 7,000 से ज्यादा कांस्टेबलों की कमी को पूरा करने के लिए जुलाई 2023 में इन गार्डों को मुंबई पुलिस में तैनात किया गया था। ये महाराष्ट्र स्टेट सिक्योरिटी कॉर्पोरेशन गार्ड, मेट्रो लाइनों और सरकारी दफ्तरों जैसी सरकारी जगहों को सुरक्षा देने के लिए ट्रेंड हैं, और शहर की पुलिस की मदद के लिए सड़कों पर भी तैनात किए गए थे।राज्य के गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा, ''जब जुलाई 2023 में यह

फैसला लिया गया था, तो कांस्टेबलों के 7,076 पद खाली थे झ जो मुंबई पुलिस कमिश्नरेट में कुल मंजूर पदों का 10% से ज्यादा है। भर्ती और ट्रेनिंग में कम से कम दो साल लगते हैं, और मुंबई जैसे सेंसिटिव शहर में, हमारे यहां इतनी कमी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, ''इसलिए हमने मुंबई पुलिस कमिश्नर को टेम्पररी तौर पर 3,000 सिक्योरिटी कर्मचारियों को रखने की इजाजत दी। चूंकि कांस्टेबलों के ट्रेंड बैच आने लगे हैं, इसलिए हमने महाराष्ट्र स्टेट सिक्योरिटी कॉर्पोरेशन कर्मचारियों को वापस भेजने का फैसला किया है।''700 कांस्टेबलों का पहला बैच हाल ही में पुलिस फोर्स में शामिल हुआ है और हर छह महीने में तीन और बैच शामिल किए जाएंगे। होम डिपार्टमेंट के एक और अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र स्टेट सिक्योरिटी कॉर्पोरेशन कर्मचारियों को उसी हिसाब से बैच में वापस भेजा जाएगा। अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 महामारी और सरकार में रिसोर्स की कमी के कारण 2019 से कांस्टेबलों की भर्ती में देरी हो रही थी। महाराष्ट्र स्टेट सिक्योरिटी कॉर्पोरेशन गार्डों को शामिल करने के फैसले का जोरदार विरोध हुआ था, विपक्ष ने इसे ''पुलिस कर्मचारियों को आउटसोर्स करने की कोशिश'' कहा था।

भिवंडी : नौ साल पहले 62 करोड़ की भारी लागत से बना डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम फ्लाईओवर पर खराब ड्रेनेज सिस्टम और बड़े-बड़े गड्ढे

भिवंडी : वंजारपट्टी नाका पर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम फ्लाईओवर, जो करीब 62 करोड़ की भारी लागत से बना था और जिसका उद्घाटन सिर्फ नौ साल पहले हुआ था, अब बहुत बुरी तरह से खराब हो गया है। इलाके के लोगों का आरोप है कि भिवंडी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन राजीव गांधी फ्लाईओवर की हालत से कुछ नहीं सीख पाया है और एक बार फिर लापरवाही और एडमिनिस्ट्रेटिव लापरवाही का वही सिलसिला दोहरा रहा है। बड़े-बड़े गड्ढे और बहुत खराब ड्रेनेज सिस्टम की वजह से मानसून के मौसम में फ्लाईओवर पर भारी पानी भर जाता है। स्लैब के खराब हिस्सों में पानी रिसने लगा है, जिससे डर है कि स्ट्रक्चर और कमजोर हो सकता है। लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर हालात ऐसे ही रहे, तो फ्लाईओवर पर भारी गाड़ियों की आवाजाही जल्द ही रोक दी जा सकती है – जिससे ट्रैफिक पहले से ही नीचे की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर वापस आ सकता है, जिससे भारी जाम लग सकता है और वंजारपट्टी इलाके में एक्सीडेंट का खतरा बढ़ सकता है।

महाराष्ट्र राज्य को एड्स केयर सपोर्ट और ट्रीटमेंट सर्विस के लिए सेंट्रल फंक्शन में मिला प्रतिष्ठित अवॉर्ड

मुंबई : केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर महाराष्ट्र को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ कंट्रोल के एक नेशनल लेवल के सर्वे में केयर सपोर्ट और ट्रीटमेंट सर्विस देने के लिए देश का सबसे अच्छा राज्य बताया गया है। महाराष्ट्र राज्य एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को विजयवाड़ा में हुए एक सेंट्रल फंक्शन में यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड मिला। इसे नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन के केयर सपोर्ट एंड ट्रीटमेंट डिवीजन की हेड डॉ. चिन्मयी दास ने महाराष्ट्र स्टेट एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की रिप्रेजेंटेटिव, केयर सपोर्ट एंड ट्रीटमेंट डिवीजन की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. प्रियंका वाघेला और असिस्टेंट डायरेक्टर प्रदीप सोनवणे को दिया।

एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी पर जोर देने के लिए यह अवॉर्ड एचआईव्ही से पीड़ित लोगों को एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी ट्रीटमेंट सर्विस देने में शानदार

परफॉर्मेंस को दिखाता है। यह हेल्थ मिनिस्टर प्रकाश अबितकर, डिपार्टमेंट सेक्रेटरी डॉ. निपुण विनायक की गाइडेंस की वजह से मुमकिन हुआ। स्टेट एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनील भोकरे, एडिशनल प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. विजय कंडेवाड़ और डॉ. भवानी मुरुगेसन ने कहा कि यह अवॉर्ड एचआई से पीड़ित लोगों को मुफ़्त मदद देने के राज्य के कमिटमेंट को दिखाता है।

शनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ कंट्रोल के परफॉर्मेंस इंडेक्स में महाराष्ट्र टॉप पर है, जिसमें महाराष्ट्र स्टेट एड्स कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ग्रीन जोन' में सबसे ज्यादा एंटीरेट्रोवायरल ट्रीटमेंट सेंटर के साथ टॉप पर है। इन सेंटर ने कई एरिया में अच्छा परफॉर्म किया है। इनमें सभी रजिस्टर्ड एचआईव्ही -पॉज़िटिव लोगों के लिए कॉम्प्रिहेंसिव थेरेपी ट्रीटमेंट पक्का करना शामिल है। लगातार फॉलो-अप और सपोर्ट।

सितंबर 2025 की फाइनल मार्कशीट में 75 से ज्यादा मार्क्स लाने वाले 'ग्रीन जोन' के 16 सेंटर में से पांच अफ्छ सेंटर बेस्ट रहे, जिनमें से बेस्ट 5 कला सेंटर, यानी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज नांदेड़, एएफएमसी पुणे, सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पंढरपुर, डॉ. वैशम्पायन स्मृति गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सोलापुर और रूरल हॉस्पिटल, डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल धाराशिव को सम्मानित किया गया। प्राइवेट सेंटर भी सबसे आगे रहे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com